कम करने का प्रावधान है। इस बारे मे वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग से पब्लिक परिपत्र--सं० 231/एप न० 203/20/77--आई०टी०ए० 2 दिनाक 14-11-77 द्वारा मार्गदर्शी सिद्धांत जारी किए गए हैं। परिपत्र की एक प्रति सभा पटल पर रखी जाती हैं। [ग्रंथालय में रखे गये। देखिये संख्या एल० टी० 1889/78]।

हाल के चुनावों में विदेशी धन का इस्तेमाल

3978. श्री रामगोपाल सिंह : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार ने हाल के विधान सभाओं के चुनावों मे विदेशी धन इस्तेमाल किये जाने के बारे मे कोई मूल्याकन किया है,

(ख) यदि हा, तो उसके निष्कर्ष क्या है; और

(ग) इस बारे मे सरकार का विचार क्या कदम उठाने का है?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री धनिक लाल मंडल) : (क) विधान सभाओ के हाल के चुनावों मे विदेशी धन के उपयोग किये जाने का कोई मामला सरकार के ध्यान मे नहीं आया है।

(ख) तथा (ग). प्रश्न नही उठता।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अधिकारियों द्वारा विदेशों का दौरा

3979. श्री अर्जुन सिंह भदौरिया : क्या विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के कितने अधिकारियों ने विदेशों का दौरा किया और प्रत्येक अधिकारी का नाम क्या है और इस बारे में पूरा ब्यौरा क्या है;

(ख) इस विभाग के कितने अधिकारियो ने अब तक विदेशो का दौरा नहीं किया है;

(ग) क्या सचिवो के अतिरिक्त इस विभाग के एक अन्य अधिकारी के प्रति विशेष व्यवहार दिखाया गया है जबकि उसके दर्जे के किसी केन्द्रीय सरकारी अधिकारी को ऐसा विशेष व्यवहार नही दिया जाता है; और

(घ) यदि हा, तो इस बारे मे सरकार की प्रतिक्रिया क्या है और यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कार्यवाही की जा रही है कि भविष्य मे इस तरह की गलत कार्यवाही न की जाये?

प्रधान मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) और (ख). विवरण सलग्न है--अनुबध 1-2 [ग्रन्थालय में रखे गये देखिये सख्या एल टी 1890/78]।

(ग) विभिन्न देशो की सरकारों के प्रतिनिधियो के/वैज्ञानिक सम्मेलनों और सयुक्त आयागो की बैठको मे उपस्थित होने के लिए उपयुक्त अधिकारियो का चयन हमेशा ही सबधित विशेषज्ञता के क्षेत्र पर, अपेक्षित सहभाजिता के स्तर पर, अन्तर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक मचो की कार्यवाहियों मे प्रभावी योगदान कर पाने की प्रतिनिधि की क्षमता पर और विभाग मे उस अधिकारी को सौपे गए उत्तरदायित्व, और कर्तव्यो, के स्वरूप पर और सबधित सगठन के सुझावो पर, यदि कोई हों तो, निर्भर करता है।

(घ) यह सच है कि कुछ अधिकारी एक से अधिक बार विदेश गए है परन्तु ऐसा उपर्युक्त कारणो . से हुआ है न किसी अधिकारी विशेष के प्रति किसी विशेष व्यवहार के कारण।